भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2638
(जिसका उत्तर सोमवार, 11 अगस्त, 2026/20 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाना है)

दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में पिछड़ता भारत

2638. श्री रामजी लाल सुमन:

क्या ***वित्त*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की बजाय भारत अब पिछड़कर छठे स्थान की ओर जा रहा है;
(ख) यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं;
(ग) भारत की स्थिति को पुन: स्थापित करने हेतु सरकार द्वारा कौन-कौन से कदम उठाने पर विचार किया जा रहा है; और
(घ) जनवरी, 2026 से आज की तिथि तक विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय बाजारों से कितनी राशि निकाली गई है?

उत्तर
वित्त राज्य मंत्री
(श्री पंकज चौधरी)

(क) से (ग) सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था की विकास क्षमता को बढ़ाने के लिए एक व्यापक कार्यनीति अपनाई है। यह कार्यनीति कृषि उत्पादकता बढ़ाने, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाओं और गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों में ढील देने, एमएसएमई को मजबूत करने, विश्व स्तरीय अवसंरचना का विस्तार करने, पीएम गति शक्ति और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति के माध्यम से लॉजिस्टिक्स में सुधार करने और नवाचार, डिजिटलीकरण और अनुसंधान को बढ़ावा देने जैसी पहलों के माध्यम से विनिर्माण को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।

सरकार निरंतर सार्वजनिक पूंजीगत व्यय, उदारीकृत एफडीआई नीति, प्रत्यक्ष कर और जीएसटी सुधारों के माध्यम से एक कुशल और सुव्यवस्थित कर प्रणाली और व्यापार करने में आसानी में निरंतर सुधार के माध्यम से निवेश को बढ़ावा दे रही है। मानव पूंजी को मजबूत करने, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा, वैश्विक क्षमता केंद्रों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे उभरते क्षेत्रों का समर्थन करने और वित्तीय बाजारों को मजबूत करने के उपायों से भारत की विकास क्षमता में और वृद्धि होने और गुणवत्तापूर्ण रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

इसके अतिरिक्त, सरकार विवेकपूर्ण राजकोषीय प्रबंधन और मूल्य स्थिरता के माध्यम से वृहद आर्थिक स्थिरता बनाए रखते हुए, मुक्त व्यापार करारों और व्यापक आर्थिक भागीदारी/सहयोग करारों के अपने नेटवर्क का विस्तार करके बाहरी प्रतिस्पर्धात्मकता और व्यापार लचीलेपन को सुदृढ़ कर रही है।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अप्रैल 2026 के लिए अपने विश्व आर्थिक आउटलुक में वर्ष 2025-26 के लिए भारत की सांकेतिक जीडीपी 3.92 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर होने का उल्लेख किया है, जो भारत को दुनिया की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाता है। आईएमएफ की रैंकिंग मौजूदा अमेरिकी डॉलर विनिमय दरों पर मापी गई सांकेतिक जीडीपी पर आधारित है। नतीजतन, अर्थव्यवस्थाओं की सापेक्ष रैंकिंग कारकों के संयोजन के कारण बदल सकती है, जिसमें आर्थिक विकास, विनिमय दरों और कीमतों में उतार-चढ़ाव, राष्ट्रीय खातों में संशोधन और अन्य प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के आकार और विकास में परिवर्तन शामिल हैं।

(घ) नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से अगस्त 2026 (5 अगस्त 2026 तक) की अवधि के दौरान विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों द्वारा सकल बिक्री ₹29.8 लाख करोड़ थी।

*****